"मदद का एक हाथ दिव्यांगों के साथ"

संस्था के दिव्यांगों के लिए भविष्यकालीन योजना

1) राज्य के प्रमुख शहरों में दिव्यांग, वृद्धांग और अनाथों के लिए रियायती दरों में प्रथमोपचार और व्हीलचेयर युक्त रिक्शा एम्बुलेंस शुरू करना
2) दिव्यांग, वृद्धांग और अनाथों के लिए चिकित्सा, उपचार और दवा उपलब्ध करानेवाले केंद्र शुरू करना।
3) दिव्यांग व अनाथों के लिए कौशल विकास, रोजगार और व्यवसाय मार्गदर्शन व मदद केंद्र शुरू करना।
4) दिव्यांग, वृद्धांग और अनाथों के लिए सभी प्रकार की जीवनावश्यक वस्तूएं रियायती दरों में उपलब्ध करानेवाले सुपर मॉल शुरू करना।
5) दिव्यांग फूड सेंटर, दिव्यांग कॉफी सेंटर शुरू करना।
6) दिव्यांग व अनाथों के लिए रेल्वेस्टेशन, महामार्ग, राज्यमार्ग पर दिव्यांग संचालित (Future Plan) 100 ई-टॉयलेट और उसके बगल में 100 दिव्यकर्म मॉल शुरू करना।
7) दिव्यांग बचत गटों की निर्मिति करना।
8) दिव्यांगों के लिए A to Z सोल्यूशन सेंटर शुरू करना।
9) दिव्यांगों के लिए App तैयार कर उन्हें समग्र जानकारी उपलब्ध कराने का संकल्प।

DICCAI

* संस्था आधारस्तंभ *

श्री. आदित्यसिंग तिवारी (आदित्य फौंडेशन)

सौ. राजश्री गागरे (कार्यकारी निदेशक)

श्री. राजू ओसवाल (उद्योगपति)

सौ. नीलिमा येमुल (निदेशक)

* संपर्क *

प्लॉट नं. 234, निसर्ग कॉलनी , सेक्टर 2, प्रियदर्शनी स्कूल के पास,
इंद्रायणीनगर, भोसरी, पुणे 411026. | मोबाइल नँबर ८०८०४६००१३/८०८०७६३५६७

सिद्धी कर्मयोगी फाऊंडेशन के माध्यम और आदरणीय रघुनाथ येमूल गुरुजी इन के सुजावं से

Divang Indian Chamber of Commerce and Industry
दिव्यांग इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स ॲन्ड इंडस्ट्री

DICCAI

"मदद का एक हाथ दिव्यांगों के साथ"

दिव्यांगों को आर्थिकदृष्ट्या सक्षम बनाएं,
उन्नति की ओर कदम बढ़ाएं

"मदद का एक हाथ दिव्यांगों के साथ"

सिद्धि कर्मयोगी फौंडेशन का ध्येय

भारत में पहली बार सिद्धि कर्मयोगी फौंडेशन के माध्यम से संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आदरणीय श्री. रघुनाथ येमुल गुरुजी की संकल्पना से दिव्यांग इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स ॲन्ड इंडस्ट्री की निर्मिति हुई है। मानवहित के कार्य करनेवाली इस संस्था ने दिव्यांग बचत गट की स्थापना की है। इसके जरिए संस्था दिव्यांगों को स्वावलंबी, उद्योगपति, कार्यक्षम और कर्मयोगी बनाने के लिए संस्था प्रभावशाली तरीके से काम कर रही है।

फिलहाल दिव्यांग बचत गट के माध्यम से भारत के अलग- अलग हिस्सों के दिव्यांगों को एक छत तले लाने का काम शुरू है। इसके जरिए नये- नये विचारों का आदान-प्रदान हो रहा है। साथ ही दिव्यांगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन, वित्त सहायता उपलब्ध कराना, उन्हें व्यवसाय कौशल प्रशिक्षण देने, उनके, उत्पादन को देश- विदेश में बाजार उपलब्ध कराना, सरकारी व वित्तसंस्थाओं से मिलने वाली सहूलियत, अनुदान और सहयोग दिलाने और उन्हेंआर्थिकदृष्ट्या सक्षम बनाना इस संस्था का उद्देश्य है।

श्री. रघुनाथ येमुल गुरुजी की संकल्पना से सौ. राजश्री गागरे (संस्थापक, समर्थ महिला बहुउद्देशीय संस्था, निदेशक, मैग्राप्लास्ट टेक्नॉलॉजीस इंडिया प्रा. लि.) और सौ. नीलिमा येमुल (निदेशक) ने दिव्यांग बचत गट की स्थापना की है। इसमें आदित्य फौंडेशन के अध्यक्ष श्री. आदित्यसिंग तिवारी और श्री. राजुशेठ ओसवाल से बहुमूल्य सहयोग मिल रहा है।

'मदद का एक हाथ दिव्यांगों के साथ' इस संकल्पना से अपने आसपास के परिसर के दिव्यांगों को इसकी जानकारी दें और हमसे संपर्क करें, यह आह्वान संस्था की ओर से किया गया है।

"मदद का एक हाथ दिव्यांगों के साथ"

संस्था के कार्य व उद्देश्य

- कर्मयोगी परिवार में परमेश्वर के आशिर्वाद के बाद गुरू श्रेष्ठ है और माता- पिता हमारे प्रथम गुरु हैं।प्रत्येक व्यक्ति विद्यार्थी है औऱ अपने जीवन मे आने वाले सभी आध्यात्मिक गुरु और विविध क्षेत्र के विशेषज्ञ और अनुभवी व्यक्ति, अपने मार्गदर्शक का गुरू की तरह आशीर्वाद कर्मयोगी बनने के सिद्धांत से कर्मयोगी परिवार चलता है।
- इस परिवार के प्रत्येक सदस्य को स्वावलंबी, कार्यक्षम उद्योगपति बनाना
- कर्मयोगी परिवार में अच्छे कर्म का महत्त्व है, जीवन में ध्यानी और ज्ञानी बनकर सेवाभावी होना। साथ ही नित्य जीवन में प्रकृति के पंचतत्व (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायू, आकाश) सुर्य, चंद्र और पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन करना।
- प्राचीन संस्कृति, परंपरा का आधुनिक विज्ञान के द्वारा संशोधन उसकी उपयुक्तता लोगों तक पहुंचाना।
- गुरूसेवा, नीति और मति को प्राथमिकता देना।
- दैनंदिन जीवन में नीतिमत्ता और प्रामाणिकता से काम कर पारदर्शकता से व्यवहार करना।
- ईश्वर, माता-पिता, गुरुजन व विशेषज्ञ लोगों के आशीर्वाद व मार्गदर्शन से कठोर परिश्रम और अच्छे कर्म करते हुए ध्यानी, ज्ञानी व सेवाकारी होकर कर्मयोगी बनाना।
- दिव्यांगों के विशेष गुणों का विकास और उन्हें निराशा से बाहर निकाल कर उन्हें मानसिक, आर्थिक आधार देकर स्वावलंबी, कार्यक्षम बनाना।
- दिव्यांगों को व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण देना
- दिव्यांगों के उत्पादनों को देश-विदेश में बाजार उपलब्ध कराना।
- दिव्यांगों को सरकारी और निजी वित्तसंस्थाओं से सहूलियत, अनुदान दिलाना।
- दिव्यांगों को आर्थिक आधार देकर स्वावलंबी बनाना।
- दिव्यांगों के फिलहाल जारी व्यवसाय को बढ़ावा देना।
- दिव्यांगों को व्यावसायिक भागीदारी दिलाना।
- दिव्यांगों के लिए MIDC की निर्मिति कर उसके लिए जरूरी सुविधाएं मुहैया कराना।